जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 27 संख्याः 191 प्रभात अजमेर, गुरुवार 9 फरवरी, 2023 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

साउथ ईस्ट एशिया के जंगलों और वर्षा वनों में कई अजीबोगरीब प्रजातियां हैं। तितली की ऐसी ही एक प्रजाति है कैलीमा ईनाखोश। आम रंगबिरंगी तितलियों से विपरीत यह सूखी पत्ती जैसी दिखती है। उड़ते समय कोई चिड़िया पीछा करे या कोई खतरा महसूस हो तो यह बेतरतीब उड़ने लगती है और अचानक ही जंगल में जमीन पर पड़ी सूखी पत्तियों पर गिर जाती है, एकदम निश्चेष्ट होकर आंख बंद करके, जिससे चिड़िया इसे ढूंढ नहीं पाती। इस स्थिति में वो बिल्कुल सूखी पत्ती जैसी लगती है, यहां तक कि, सूखी पत्ती की तरह इसके शरीर पर गहरी शिराएं भी नज़र आती हैं। इस तरह परभक्षी से यह अपना बचाव करती है। जब यह अपने पंख बंद करती है तब केवल नीचे की तरफ के निशान दिखते हैं, जिनमें अनियमित पैटर्न और भूरी, पीली, मटमैली और काली धारियाँ होती हैं। डिज़ाइन में सफेद चकत्ते और गहरे बिन्दू भी होते हैं, जो फफूंद और काई जैसे लगते हैं। जंगल में सूखी पत्तियों पर ऐसे निशान आम हैं। इसके पिछले पंखों पर कांटे जैसी एक संरचना होती है जो पत्ती की डंडी जैसी दिखती है। इसके पंख कोणीय और सिरे की तरफ पतले होते हैं। जिससे इसका पत्ती जैसा रुप और पुख्ता होता है। यह तितली साल में दो बार प्रजनन करती है। एक बार बरसात में और एक बार शुष्क मौसम में। बरसात के मौसम में जन्मी तितली छोटी किन्तु गहरे रंग की होती है। इस प्रजाति की मादा, नर से बड़ी होती है। यह तितली भारत, हिमालय के निचले भागों, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्यानमार, दक्षिणी चीन, थाईलैण्ड, लाओस, जापान, ताईवान और वियतनाम में मिलती है और हाल ही में पाकिस्तान में भी इसे देखा गया है। यह निचले भागों, खासकर समुद्र स्तर से 1800 मीटर की ऊंचाई तक ही मिलती है। पर भारी बारिश के समय इसे पहाड़ों में 2400 मीटर की ऊंचाई तक देखा गया है। इसे धूप वाले स्थान पसंद हैं। दिन में यह पत्तियों और तनों पर चिपकी हुई देखी जा सकती है।

तीन नेताओं के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की शुरूआत हुई?

इस संदर्भ में राजस्थान के प्रभारी व प्रदेशाध्यक्ष को दिल्ली बुलाया गया है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 फरवरी। क्या राजस्थान में नेतृत्व-परिवर्तन का मुद्दा एक बार फिर गरमा रहा है?

पार्टी के उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि, हाँ ऐसा हो रहा है।

सूत्रों का कहना है कि, राहुल गांधी इस बात पर अड़े हुये हैं कि, अशोक गहलोत को जाना ही होगा तथा जल्दी से जल्दी कांग्रेस विधायक मंडल में नेतृत्व परिवर्तन करना ही है।

आशा की जा रही है कि, पहले चरण में, अशोक गहलोत के नज़दीकी उन तीन नेताओं के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही होगी, जिनके नामों का रिपोर्ट में उल्लेख है। ए.आई.सी.सी. महासचिव तथा राजस्थान प्रभारी रंधावा तथा पी.सी.सी. अध्यक्ष डोटासरा दिल्ली बुलाए गये हैं तथा के.सी. वेणुगोपाल के साथ उनकी मीटिंग चल रही है।

- **राहुल गांधी व प्रियंका काफी दृढ़ हैं इस बारे में कि, मु.मंत्री गहलोत का हटना जरूरी है और पायलट का नेतृत्व संभालना जरूरी है, अगर कांग्रेस को आगामी विधानसभा चुनाव में कुछ सम्मानजनक प्रदर्शन करना है।**
- **पर, वे वरिष्ठ नेता, जिनसे राहुल गांधी घिरे हुए हैं, उनका यह मत है कि, गहलोत को बदलने का परीक्षण किया गया तो, पंजाब का चन्नी को मु.मंत्री बनाने का दुखद अनुभव दोहरायेगी पार्टी राजस्थान में।**
- **इन नेताओं में प्रमुख हैं, मल्लिकार्जुन खड़गे, के.सी. वेणुगोपाल, रणदीप सुरजेवाला, जयराम रमेश, मुकुल वासनिक, अंबिका सोनी व पवन बंसल।**
- **पर, राहुल के बारे में यह बात कही जाती है कि, वे अगर किसी मुद्दे पर मन बना लेते हैं तो, अपनी बात पूरी करके ही मानते हैं। और गहलोत को हटाने के बारे में उन्होंने मन बना लिया है।**

माना जा रहा है कि, अकथनीय कारणों से सितम्बर से लंबित चल रही यह कार्यवाही शीघ्र होगी, नेतृत्व-परिवर्तन की प्रस्तावना के रूप में। लेकिन पता चला है कि, राहुल गांधी के नज़दीकी करीब-करीब सभी नेता इस बात पर जोर दे रहे हैं कि, उन्हें ऐसा जोखिम नहीं उठाना चाहिये क्योंकि इससे राजस्थान, दूसरे पंजाब का रूप ले सकता है।

इन नेताओं में, अन्य नेताओं के अलावा मल्लिकार्जुन खड़गे, के.सी. वेणुगोपाल, रणदीप सुरजेवाला, जयराम रमेश, मुकुल वासनिक, अंबिका सोनी, पवन बंसल जैसे बड़े नेता शामिल हैं।

यह स्पष्ट नहीं है कि, इस बिन्दु पर रंधावा का रूख क्या है, लेकिन फिलहाल इतना जरूर है कि, कोई भी उन्हें अधिक गंभीरता से नहीं ले रहा।

अजय माकन उन नगण्य अपवादों में से एक हैं, जिन्होंने गहलोत को बदलने की जरूरत पर राहुल गांधी को स्पष्ट रूप से ब्रीफ किया है, तथा वो वसुंधरा राजे सिधिंया के साथ गहलोत के संबंध, मतदाताओं में उनकी अस्वीकार्यता, विधायकों में उनकी अलोकप्रियता तथा ऐसे ही अन्य मामलों की जानकारी राहुल गांधी को दे चुके हैं।

भाई-बहिन, दोनों ही बदलाव पर बहुत जोर दे रहे हैं। प्रियंका तो इस बात की खुली समर्थक हैं कि, पार्टी के तथा मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में, युवा और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

"मौनी बाबा"

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 फरवरी। राज्यसभा में बुधवार को सत्तारूढ़ भाजपा के सदस्यों तथा मंत्रियों की ओर से उस समय जबरदस्त विरोध दिखाई दिया, जब विपक्ष के नेता तथा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री को ऐसे "मौनी बाबा" की संज्ञा दी, जो अपनी पार्टी के नेताओं द्वारा हर जगह द्वेष फैलाये जाने पर मौन साधे हुए हैं।

खड़गे ने कहा, "प्रधानमंत्री

- **मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्र.मंत्री मोदी पर की गई इस टिप्पणी पर काफी हल्ला किया व आपत्ति की, भाजपा मंत्रियों व सांसदों ने।**

खामोश क्यों हैं? वे अपनी पार्टी के साथियों को क्यों नहीं डराते-धमकाते? अगर आप (मोदी) आवाज बुलन्द करेंगे तो वे (अगले चुनाव में) पार्टी टिकट न मिल पाने के डर से चुप हो जायेंगे।"

उन्होंने इस बात पर भी चिंता व्यक्त की कि, बहुत से भाजपा सांसद एवं मंत्री

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

"मोदी! मोदी!" के नारे का विपक्ष ने "अडानी-अडानी" जवाब दिया सदन में

धन्यवाद प्रस्ताव पर मोदी के भाषण के बाद यह दौर काफी देर तक चला

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 फरवरी। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री मोदी के जवाब के दौरान शुरू से आखिर तक सदन में उपस्थित रहे राहुल गांधी ने कहा कि, वे प्रधानमंत्री के जवाब से संतुष्ट नहीं हैं।

राहुल गांधी ने कहा, "जांच को लेकर कोई बात नहीं कही गई। यदि वे (गौतम अडानी) उनके मित्र नहीं हैं तो प्रधानमंत्री को कहना चाहिए था कि जांच की जाएगी। स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री उनका (अडानी का) बचाव कर रहे हैं।"

राहुल गांधी ने, स्वयं द्वारा मंगलवार को लोकसभा में की गई कुछ टिप्पणियों को भाजपा नेताओं के कहने

- **मोदी के भाषण के बाद राहुल ने कहा, मैं उनके भाषणों से संतुष्ट नहीं हूँ।**
- **मोदी ने भी राहुल पर कई कटाक्ष किये, जैसे राहुल गांधी द्वारा श्रीनगर के लाल चौक पर तिरंगा फहराना कोई बड़ी बात नहीं, वे 1992 में पहले ही फहरा चुके हैं।**

पर स्पीकर द्वारा रिकॉर्ड से हटाए जाने को लेकर भी विरोध प्रकट किया।

राहुल गांधी द्वारा श्रीनगर के लाल चौक में गत 25 जनवरी को तिरंगा फहराए जाने पर कटाक्ष करते हुए मोदी ने कहा, इसमें कुछ भी विशेष नहीं है, क्योंकि आतंकवादियों की धमकी के बावजूद वे यह काम जनवरी 1992 में कर चुके हैं, और वो भी बिना किसी सुरक्षा के। पुलिस ने राहुल को पूर्ण सुरक्षा प्रदान की थी और सुरक्षा कारणों को लेकर उनसे कहा गया था कि, वे 26 जनवरी को नहीं बल्कि उसके एक दिन पूर्व झण्डा फहराएं।

लोकसभा में जब प्रधानमंत्री का भाषण समाप्त होने वाला था तब सत्ता पक्ष के सदस्यों ने "मोदी-मोदी" के नारे लगाए, जबकि विपक्षी सदस्यों ने इसका जवाब "अडानी-अडानी" के नारे लगाकर दिया।

मोदी ने कहा कि, उनके खिलाफ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

"डिस्ट्रिक्ट जुडिशिएरी" का कोटा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केन्द्र सरकार से कहा कि, वह देहली जूडिशियल सर्विस एसोसिएशन (जे.एस.ए.डी.) के आवेदन का जवाब दे, जिसमें हाई कोर्ट जजों की नियुक्ति में डिस्ट्रिक्ट

- **जुडीशियल सर्विस एसोसिएशन ने हाई कोर्ट जजों की नियुक्ति में कोटा 33 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की मांग उठायी, सुप्रीम कोर्ट में हस्तक्षेप की अर्जी देकर।**

जुडिशिएरी का कोटा 33 प्रतिशत की जगह 50 प्रतिशत करने की मांग की गई है। इस मुद्दे पर जे.एस.ए.डी. की ओर से दायर एक हस्तक्षेप आवेदन पर जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस विक्रम नाथ की एक बैंच ने नोटिस जारी किया। आवेदन एक याचिका के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रिज़र्व बैंक ने विश्वास दिलाया कि, बैंकों की माली हालत काफी स्वस्थ है

आर.बी.आई. के इस वक्तव्य के बाद, अडानी ग्रुप के शेयर के दाम में सुधार आया, 20 प्रतिशत वृद्धि हुई

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 फरवरी। रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया (आर.बी.आई.) ने पुनः आश्वासन दिया है कि, एक बड़े कॉरपोरेट ग्रुप के लेनदार भारतीय बैंकों की वित्तीय स्थिति मजबूत है। आर.बी.आई. ने अडानी एन्टरप्राइजेज़ का विशेष जिक्र नहीं किया, लेकिन यह बिल्कुल स्पष्ट कर दिया कि वह किस संदर्भ में बात कर रहा है।

स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया ने अडानी ग्रुप ऑफ एन्टरप्राइजेज़ में 2.6 बिलियन डॉलर का निवेश किया हुआ है। इसके बाद पंजाब नैशनल बैंक का नम्बर आता है। ये देश के दो सबसे बड़े बैंक हैं।

आर.बी.आई. का यह बयान उसकी नई मॉनिटरी पॉलिसी की घोषणा

- **कुछ विदेशी पूंजी निवेशकों ने अडानी ग्रुप के शेयर पुनः खरीदना शुरू किया।**
- **हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद, दो सप्ताह में अडानी के शेयर का मूल्य एक दम घट गया था, ग्रुप के मार्केट कैपिटलाइजेशन में 100 अरब डॉलर की कमी आ गयी थी।**
- **यह सच है कि, पहले जब स्कैम हुए थे, बैंकिंग सेवा का इतना विस्तार नहीं हुआ था तथा बड़ी पार्टी के फेल होने से बैंक के फेल होने की संभावना बहुत प्रबल हो जाती थी।**

के संदर्भ में सामने आया है। आर.बी.आई. ने अपनी रैपो रेट बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दी है। रैपो रेट वो ब्याज दर है जिस पर आर.बी.आई. अन्य बैंकों को धन उधार देता है। यह काम मंहगाई की बढ़ती दर के संदर्भ में किया गया है।

आर.बी.आई. के एक बयान में स्पष्ट किया गया है कि, बड़े ऋणों के मामले में उसका एक सैन्ट्रल डेटा बेस है, जहां सभी बैंक, कम्पनी या व्यक्ति विशेष को अधिक मात्रा में दिए गए लोन्स की रिपोर्ट करते हैं। बैंकों के लोन पोर्टफोलियो और उनके फण्ड बेस के आधार पर आर.बी.आई. उन्हें मॉनिटर करता है और उनका स्ट्रैस टैस्ट लेता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली मेयर चुनाव

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 फरवरी। सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर विनय सक्सेना तथा प्रो-टैम प्रिसाइडिंग ऑफिसर सत्या शर्मा को नोटिस जारी करके, सोमवार तक

- **सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के ले. गवर्नर से जवाब मांगा कि, मनोनीत सदस्यों को इस चुनाव में वोट करने के लिये क्यों प्रेरित किया जा रहा है।**

उनका जवाब मांगा है कि, मनोनीत सदस्यों को दिल्ली मेयर के चुनावों में वोट देने के लिये क्यों प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्य न्यायाधीश डी.वाय. चन्द्रचूड़ तथा न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा एवं जे.बी. पारदीवाला की बैंच आम आदमी पार्टी के मेयर पद के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी ने धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए अडानी की कोई चर्चा नहीं की

मोदी ने अपने भाषण में कांग्रेस पार्टी पर जरूर तीखे पलटवार किये

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 फरवरी। संसद में दिये गये राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के जवाब में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज विपक्ष, खासतौर से कांग्रेस पर जवाबी हमला बोलते हुये, यू.पी.ए. सरकार के दस वर्षों को "घोटालों और हिंसा का दशक" बताया तथा यू.पी.ए. पर "हर अवसर को संकट में बदल देने का आरोप लगाया।" इस दौरान बड़ी सावधानी से काम लेते हुये प्रधानमंत्री मोदी अडानी मुद्दे और विवादास्पद व्यवसायी गौतम अडानी के साथ अपने संबंध की बात को टाल गए।

कल (मंगलवार) धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुये, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर आरोप लगाया था कि,

- **मोदी ने कहा, कांग्रेस पार्टी 2014 से 2023 तक देश में हुई उन्नति व विकास को पचा नहीं पा रही।**
- **इसका प्रमुख कारण है, 2004-2014 का कांग्रेस (यू.पी.ए.) शासन का दशक, जो स्वतंत्रता के बाद का सबसे भ्रष्ट दशक था। कांग्रेस ने अपने कारनामों से देश के सम्मुख हर अवसर को संकट में परिवर्तित कर दिया था।**
- **कल राहुल गांधी द्वारा सदन में अडानी-मोदी संबंधों पर काफी आलोचना की गई थी और प्र.मंत्री से उन्होंने कई सवाल किये थे।**
- **मोदी के भाषण में, राहुल गांधी की आक्रामक शैली व आरोपों से उत्पन्न पीड़ा की झलक भी नज़र आयी।**

वे गौतम अडानी के व्यावसायिक साम्राज्य के फलने-फूलने में मदद कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि, अमेरिका की शॉर्ट-सैलर हिन्डनबर्ग रिसर्च ने कुछ समय पहले अडानी ग्रुप पर स्टॉक में गड़बड़ी तथा फ्रॉड करने के कथित आरोप लगाये थे, जिनके चलते ग्रुप की छवि को जबरदस्त आघात पहुँचा है तथा इस समय चर्चा का विषय बना हुआ है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री से कुछ सवाल भी किये थे, और जवाब मांगा था।

उन प्रश्नों के उत्तर देने के बजाय, मोदी ने संसद में राहुल गांधी पर उनका नाम लिये बिना कई कटाक्ष किये। राहुल गांधी ने एक दिन पहले ही अरबपति गौतम अडानी को मोदी से जोड़ते हुये, मोदी पर तीखा हमला बोला था।

बजट सत्र का शुभारम्भ करते हुये राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा दिये गये अभिभाषण पर हुई बहस का जवाब देते हुये, प्रधानमंत्री ने लोकसभा में कहा, "कल लोकसभा में कुछ लोगों द्वारा की गई टिप्पणियों के बाद मैं देख रहा था। पूरा "ईकोसिस्टम" बड़ा उत्साहित एवं उत्तेजित था। (उनके) समर्थक बड़े प्रसन्न थे। कुछ लोग बड़े खुश होते हुए कह रहे थे, "ये हुई न कोई बात।"

प्रधानमंत्री ने कहा, "कुछ लोग तो उस भाषण से इतने खुश थे कि, वे आज आये ही नहीं। पिछली रात को वे बड़े आराम से सोये होंगे। और शायद इसीलिये, आज सुबह उनकी आँख नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)